INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: -6 3rd Lang.	**Department: Hindi**	**Date of submission: 08-05-22**
Worksheet No: 1	**Topic:** अर्थग्रहण	**Note: Pl. file in portfolio**

दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

सात साल की उम्र में ही झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने घुड़सवारी सीखी। रानी लक्ष्मीबाई को घुड़सवारी के साथ - साथ घोड़ों की भी अच्छी परख थी। एक बार घोड़ों का एक व्यापारी रानी के दरबार में आया। उसके पास एक जैसे दिखने वाले दो घोड़े थे। उसे विश्वास था कि रानी दोनों घोड़ों का एक दाम लगाएँगी, मगर रानी लक्ष्मीबाई ने घोड़ों को कुछ देर देखने के बाद एक घोड़े का दाम एक हज़ार रुपये और दूसरे घोड़े का दाम मात्र पचास रुपये लगाए।

आश्चर्यचकित होकर व्यापारी ने रानी लक्ष्मीबाई से पूछा - रानी जी", दोनों घोड़ों की शक्ल और कद - काठी में कोई फर्क नहीं है, फिर भी आपने दाम में इतना फर्क क्यों कर दिया?" रानी लक्ष्मीबाई ने कहा, "जिस घोड़े का दाम मैंने एक हज़ार रुपये लगाया है, वह उत्तम कोटि का स्वस्थ घोड़ा है और जिस घोड़े का दाम मैंने पचास रुपये लगाया है, वह किसी रोग का शिकार है और उसकी उम्र भी कम है।" रानी लक्ष्मीबाई की सूझबूझ और बुद्धिमानी देखकर व्यापारी बहुत प्रभावित हुआ |

1. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई ने घुड़सवारी कब सीखी?

   .....

2. रानी लक्ष्मीबाई को किसकी अच्छी परख थी?

   .....

   .....

3. रानी के दरबार में कौन आया और उसके पास कैसे घोड़े थे ?

.....

.....

.....

4. घोड़ों को कुछ देर देखने के बाद रानी ने उनके दाम कितने लगाए ?

.....

.....

.....

5. आश्चर्यचकित होकर व्यापारी ने रानी से क्या पूछा ?

.....

.....

.....

6. जिस घोड़े का दाम रानी ने पचास रुपये लगाए वह कैसा था?

.....

.....

7. क्या देखकर व्यापारी बहुत प्रभावित हुआ?

.....

8. दिए गए शब्दों के बहुवचन गद्यांश में से ढूँढकर लिखिए |

घोड़ा = ... रूपया = ...

****